No. of Printed Pages : **4**

MPSE-011

00736

MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)

Term-End Examination

December, 2016

MPSE-011 : THE EUROPEAN UNION IN WORLD AFFAIRS

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt **five** questions in all, selecting at least **two** questions from each section. Each question is to be answered in about **400** words. **All** questions carry **equal** marks.*

SECTION - I

1. Critically examine the neo-functionalist explanation of the process of European integration.

2. (a) Examine the basic features of the Single Market Act of 1987.
   (b) What are the advantages of a single currency for Europe ? Explain.

3. Analyse United Kingdom's approach to the question of European Unity in the post-war years.

4. Trace the evolution of the Common Foreign and Security Policy (CFSP) of the European Union.

5. Comment on the relationship between the European Union and the United States.

SECTION - II

6. Discuss the problems and prospects of India-European Union relations.

7. Analyse the objectives of the European Unions Development Cooperation Policy within the framework of the WTO.

8. Describe the different stages in the enlargement of the European Union.

9. The objectives and processes of regionalism in Europe and South Asia differ considerably. Comment.

10. Describe the different stages in the Economic and Monetary Union in Europe.

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2016

एम.पी.एस.ई.-011 : विश्व मामलों में यूरोपियन यूनियन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

टिप्पणी : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें, प्रत्येक अनुभाग में से कम से कम **दो** प्रश्न चुनते हुये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें । **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

अनुभाग - I

1. यूरोपियन एकीकरण की प्रक्रिया की neo-functionalist व्याख्या का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

2. (a) 1987 के एकल बाज़ार अधिनियम के मूल लक्षणों का परीक्षण करें।
   (b) यूरोप के लिए एकल मुद्रा (currency) के क्या लाभ हैं? व्याख्या करें।

3. द्वितीय विश्व युद्ध पश्चात् वर्षों में यूरोपियन एकता के प्रति United Kingdom के दृष्टिकोण का विश्लेषण करें।

4. यूरोपियन यूनियन की समान विदेश और सुरक्षा नीति (CFSP) के क्रमतर विकास को रेखांकित करें।

5. यूरोपियन यूनियन और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य सम्बंधों पर टिप्पणी करें।

अनुभाग - II

6. भारत-यूरोपियन यूनियन सम्बंधों की समस्याओं और संभावनाओं की चर्चा करें।

7. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के framework के अंतर्गत यूरोपियन यूनियन की विकास सहयोग नीति के उद्देश्यों का विश्लेषण करें।

8. यूरोपियन यूनियन के विस्तार के विभिन्न चरणों का वर्णन करें।

9. यूरोप और दक्षिण एशिया में श्रेत्रवाद के उद्देश्य और प्रक्रियाएँ काफी हद तक भिन्न हैं। टिप्पणी करें।

10. यूरोप में आर्थिक और मौद्रिक (monetary) यूनियन के विभिन्न चरणों का वर्णन करें।